हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 71 देहरादून, शुक्रवार, 02 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री ने खटीमा में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी 3

त्यूणी में वाहन दुर्घटना, तीन की मौत, टोंस नदी में गिरा वाहन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। देहरादून पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि थाना कालसी को द्वारा फोन सूचना मिली कि इच्छाडी बांध से करीब 6 किमी आगे त्यूणी की तरफ एक वाहन सड़क से दुर्घटना ग्रस्त होकर टोंस नदी के किनारे गिरा हुआ है, इस सूचना पर तत्काल थाना कालसी पुलिस मय रेस्क्यू उपकरण के मौके पर रवाना हुए और इसकी जानकारी उच्चाधिकारी गणों, आपदा कंट्रोल तथा एसडीआरएफ व 108 को भी दी गई, मौके पर पहुंचकर देखा कि घटना स्थल राजस्व क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिस पर तत्काल एसडीएम कालसी को सूचित किया गया तथा मौके पर उपस्थित एसडीआरएफ तथा थाना पुलिस करीब 400 मीटर गहरी खाई में दुर्घटना ग्रस्त वाहन के पास पहुंचे, जहाँ गाड़ी रंग लाल ब्रेजा no. HP08 A 3768 पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त अवस्था मे पड़ी थी , जिसके आस पास दो व्यक्ति पड़े थे तथा एक व्यक्ति गाड़ी के अंदर ही मृत अवस्था में पड़ा हुआ मिला।

जिनको पुलिस टीम द्वारा सड़क किनारे रेस्क्यू कर पहुंचाया गया, वाहन के नंबर से वाहन स्वामी से फोन द्वारा संपर्क कर दुर्घटना की जानकारी दी गई, मौके पर एसडीएम कालसी, सीओ विकासनगर तथा थानाध्यक्ष कालसी मौजूद रहे। जाँच से जानकारी मिली कि वाहन में तीन व्यक्ति ही सवार थे, जो रात्रि में विकासनगर से समान लेकर हिमाचल की ओर जा रहे थे, इस स्थान के आसपास कोई रिहायशी स्थान न होने के कारण दुर्घटना के संबंध में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई। मृतकों की शिनाख्त हो गई है, राजस्व पुलिस द्वारा पंचायत नामा की कारवाई की जा रही है। वहीँ दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही हैं

ये हैं दुर्घटना में मृतक व्यक्ति का ब्यौरा –

1- दिलशाद पुत्र इब्राहिम नि0 नेरवा हिमाचल प्रदेश, उम्र 24वर्ष।2- रमिश रांता पुत्र रामानंद नि0 कोटी सराय तहसील नेरवा हिमाचल प्रदेश, उम्र 34 वर्ष।3- विक्रम पुत्र रमेश नि0 कोटी सराय तहसील नेरवा हिमाचल प्रदेश, उम्र 31 वर्ष।

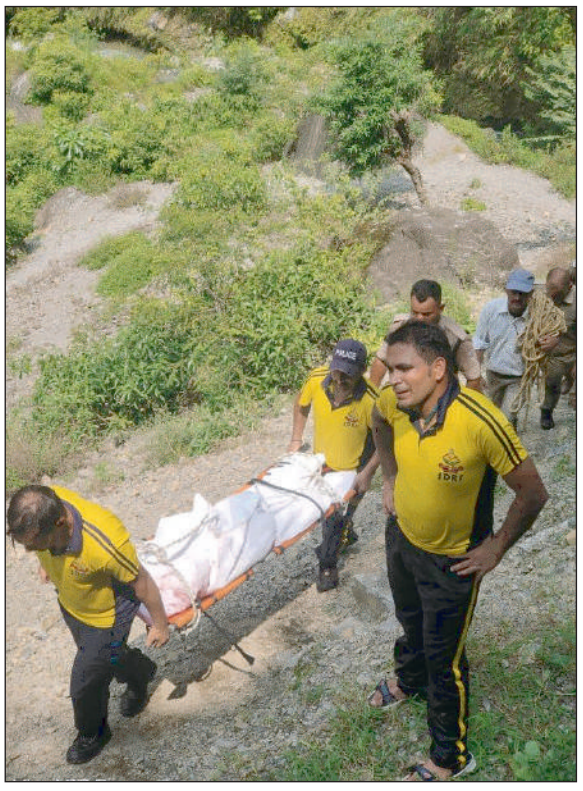

मुख्यमंत्री धामी ने किया कुमाऊं को जोड़ने वाले रानीबाग पुल का लोकार्पण

पुल के निर्माण से जाम की समस्या से मिलेगी निजात : सीएम

मो० सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनीताल में 72 करोड़ की लागत से केंद्रीय सड़क निधि के अंतर्गत निर्मित रानीबाग भीमताल पदमपुरी लोहाघाट पंचेश्वर राज्यमार्ग टू -लेन 'ए' क्लास लोडिंग स्टील गार्डर पुल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टू लेन पुल के शुरू होने से अब अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत और नैनीताल के पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले लोगों को काफी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि यह पुल कुमाऊँ की लाइफ लाइन है जिससे पूरे कुमाऊँ का कारोबार जुड़ा हुआ है। अक्सर यहां पर सिंगल लेन पुल होने की वजह से जाम लगा करता था, लेकिन अब इस पुल के बनने से कुमाऊं के पर्वतीय इलाकों में जाने वाले सैलानियों को भी जाम की दिक्कत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुल पर भारी वाहनों का आवागमन होने से क्षेत्र का आर्थिक एवं सामाजिक विकास के साथ-साथ क्षेत्र का चहुमुखी विकास होगा।

वर्तमान में उक्त पुराने पुल से लगभग 3600 कार व जीप 2500 दुपहिया वाहन, 2000 छोटे वाणिज्य वाहन एवं 150 बसें तथा 1750 ट्रक (दो एक्सेल) इत्यादि, औसतन 10,000 वाहनों का प्रतिदिन आवागमन होता है। उक्त टू लेन ए क्लास लोडिंग पुल के बन जाने से मल्टी एक्सेल ट्रकों एवं अन्य वाहनों के आवागमन में वृद्धि होगी। लोकार्पण कार्यक्रम में जनपद प्रभारी मंत्री रेखा आर्या, क्षेत्रीय विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा, बंशीधर भगत, मा० डॉ मोहन सिंह बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, ब्लॉक प्रमुख कमलेश कैड़ा एवं अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

देहरादून और नैनीताल के लिए मौसम का अलर्ट, तेज बारिश और ओलावृष्टि के हैं आसार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। उत्तराखंड में धूप और बादलों की आंख-मिचौनी के बीच कहीं-कहीं तेज बौछार का सिलसिला जारी है। देहरादून समेत आसपास के क्षेत्रों में सुबह धूप खिलने के बाद दोपहर में कई क्षेत्रों में झमाझम वर्षा हुई। हालांकि, पहाड़ों में भारी वर्षा से कुछ राहत है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को भी देहरादून और नैनीताल में कहीं-कहीं तीव्र बौछार पड़ सकती हैं।

गुरुवार को प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में दिनभर धूप खिली रही। दून में दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और घने बादलों ने डेरा डाल लिया। रायपुर, मालदेवता, सहस्रधारा, राजपुर, गढ़ कैंट, घंटाघर आदि क्षेत्रों में करीब आधा घंटा तेज बारिश हुई। शहर के कुछ हिस्सों में थोड़ी वर्षा से ही चौक-चौराहे जलमग्न हो गए।

सर्वे चौक, एस्लेहाल चौक, लैंसडौन चौक, कनक चौक, बुद्धा चौक आदि में जलभराव होने से वाहन सवारों और पैदल राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। इसके अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। कुमाऊं में कहीं-कहीं गरज के साथ तेज बौछार पड़ीं।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, शुक्रवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में आसमान साफ रहने

से लेकर आंशिक रूप से बादल छाये रह सकते हैं। देहरादून और नैनीताल में गरज के साथ तीव्र बौछार पड़ सकती हैं। जबकि, कहीं-कहीं आकाशीय बिजली चमकने की आशंका हैं।

ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के नरेंद्रनगर बाइपास के पास हाईवे के नीचे जमीन खिसकने से खोखला हो रहा है जिस कारण यहां पर आवागमन जोखिम भरा बना है। सुरक्षा को देखते हुए गुरुवार से हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर दिया गया है। यातायात सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई। ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर नरेंद्रनगर बाइपास के पास नया भूस्खलन जोन बन गया है। यहां पर भूस्खलन होने के कारण पूर्व में भी कई बार वाहनों की आवाजाही ठप रही।

यहाँ घर की छतों पर दिखाई जाती है रईसी की पहचान, देखकर हो जायेंगे हैरान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में हर शहर गांव मोहला और गली मकान की पहचान होता है मकान नंबर .... लेकिन क्या आप यकीन करेंगे कि देश में एक ऐसा भी गाँव है जहाँ आलिशान कोठियों पर हवाई जहाज़ , से तो किसी भी घर की पहचान उसके एड्रेस या उस घर पर लिखे नाम से की जाती हैं. इसके बिना आप किसी भी घर नहीं पहुँच सकते. अगर घर का पता ही नहीं होगा तो आप जायेंगे कहाँ. लेकिन एक गांव ऐसा है जहाँ के घरों कि पहचान उनके पानी की टंकियों से की जाती हैं. जी हाँ, आप सोच में पड़ गए होंगे लेकिन ये कैसे संभव है उसके बारे में बताने जा रहे हैं. ये पानी की टंकियां होती ही इतनी विशेष हैं जो कि आम टंकियों से बिल्कुल अलग होती हैं. तो आइये जानते हैं इसके विशेष टंकी के बारे में.

दरअसल, पंजाब के जालंधर के पास एक गांव है उप्पला गांव जिसे टंकियों वाला गांव कहा जाता है यहां के हर घर की पहचान उसके घरों पर बनी पानी की अजब गजब और नमूने दार टंकियां से होती है. यहां के गांव में लोगों की भी पहचान उनके घरों पर बने पानी की टंकियों से होती है. यानि लोगों का घर याद रखना हो तो आपको पानी की टंकी का शेप याद रखना होगा. उप्पला गांव के मकानों की छतों पर आम वाटर टैंक नहीं है. बल्कि यहां पर हवाई जहाज, घोड़े, गुलाब, कार, बस आदि अनेक आकारों की टंकियां आपको दिखाई देगी.

ऐसे में अगर किसी की छत पर आर्मी का टैंक दिख जाए तो समझिए उस घर से कोई न कोई सदस्य आर्मी में है. अगर आपको

छत पर प्लेन दिखे तो समझिए उस घर के लोग एन आर आई हैं. ये टंकियां दिखाने के लिए नहीं बल्कि र में रहने वालों की प्यास भी बुझाती हैं. गांव की में खास तौर पर एन आर आई की कोठियों की छत पर इस तरह की टंकियां बनाई गई है. इसकी शुरुआत करीब 70 साल पहले हांगकांग जाने वाले तरसेम सिंह ने की थी. अपनी कोठी के ऊपर पानी जहाज के आकर की टंकियां बनवाया जिसे लोगों ने खूब पसंद किया और तभी से ये सिलसिला चला आ रहा है.

जानिए गूगल पे से एक दिन में कितने रुपये कर सकते हैं ट्रांसफर?

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। आज हमारी और आपकी लाइफ पूरी तरीके से डिजिटल हो गयी है। समय बचने और सुविधा झटपट मिलने से हर व्यक्ति डिजिटल की तरफ रूख कर रहा है. तमाम तकनीक हैं, जो इंसान को आधुनिक बना रही हैं. इसमें से एक ऑनलाइन पेमेंट करना भी है.

जी हां, आजकल शायद ही कोई इंसान ऐसा होगा, जो अपनी जेब में कैश रखता हो, क्योंकि मौजूदा वक्त में कई ऐसे ऐप आ गए हैं, जिनके जरिए आप ऑनलाइन ही पेमेंट कर सकते हैं. इसमें से एक गूगल पे (Google Pay) भी है.

अगर आप Google Pay यूज करते हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि आप इस ऐप के जरिए कितने पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं. तो चलिए फ़िरोज़ आलम गाँधी से जानते है कि गूगल पे से जुड़े अहम नियम क्या हैं - .

गूगल पे ट्रांजैक्शन लिमिट

आपको बता दें कि आप एक दिन में Google Pay से 1 लाख रुपये तक की राशि भेज सकते हैं. इसके साथ ही आप Google Pay से एक दिन में मैक्सिमम 10 ट्रांजैक्शन ही कर सकते हैं. इसके अलावा आप एक दिन में इस ऐप के जरिए 2000 रुपये से ज्यादा रिक्वेस्ट नहीं कर सकते हैं.वहीं, पैसे ट्रांसफर करने की बात करें, तो G Pay की अपनी लिमिट के अलावा कुछ बैंक लिमिट्स भी होती हैं. इस कारण आप बैंक में बैलेंस रहने के बावजूद भी G Pay से पैसे नहीं भेज सकते हैं. बता दें कि हर बैंक की ये लिमिट अलग-अलग होती है. इस बारे में आप बैंक की वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं.अधिक जानकारी के लिए बता दें कि अगर सिस्टम को रिसीवर के अकाउंट में कोई सस्पिशियस एक्टिविटी नजर आती है, तो वह ट्रांजैक्शन को होल्ड कर देता है और इसके बारे में आपको जानकारी भी देता है. ऐसा फ्रॉड के मामले रोकने के लिए किया जाता है.

डीजी सूचना बंशीधर तिवारी ने प्रचार-प्रसार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर दिया ज़ोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं और नीतियों को जनमानस तक पहुंचाने के लिए सूचना विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मीडिया के साथ बेहतर समन्वय के साथ नवीन तकनीक के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाये। सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जन को सुलभता से मिले इसके लिए विभिन्न प्रचार माध्यमों का प्रयोग किया जाये।

सूचना महानिदेशक ने कहा कि सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाये। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को मीडिया से बेहतर समन्वय कर जनमानस तक पहुंचाया जाये। उन्होंने कहा कि जिला सूचना कार्यालयों के सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाये, ताकि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार एवं प्रसार हो सके। कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री बंशीधर तिवारी विभागीय कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर अपर निदेशक डॉ. अनिल चंदोला, संयुक्त निदेशक आशिष त्रिपाठी, उप निदेशक मनोज कुमार श्रीवास्तव, उप निदेशक रवि बिजारनियां एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

व्हाट्सएप ने ग्रुप एडमिन को दी ये खास पावर जानिए क्या है अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 1 सितम्बर। देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाला ऐप व्हाट्सएप आए दिन अपने युजर्स के लिए कुछ न कुछ नया लेकर आता है. कुछ ऐसे भी फिचर है जिसका लोगों को काफी बेसब्री से इंतेजार होता है. वहीं, अब व्हाट्सएप ने अपने सभी ग्रुप एडमिन यूजर के लिए मोस्ट अवेटेड सुविधा लॉन्च कर दिया है. इस फिचर के तहत अब किसी भी व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन ग्रुप के किसी भी सदस्य द्वारा डाले गए किसी भी मैसेज को खुद से डिलीट फॉर एवरीवन कर सकते हैं.

इसका मतलब ये है कि एडमिन के पास अब यह पावर आ गया है, कि यदि उन्हें कोई मैसेज आपत्तिजनक लगता है तो वह उस मैसेज को तत्काल ग्रुप से हटा सकते हैं.

इस फीचर को सबसे अधिक महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है की किसी भी ग्रुप में आपत्तिजनक मैसेज आने की स्थिति में एडमिन को भी दोषी माना जाता था और एडमिन के पास यह पावर नहीं होता था कि डाले गए मैसेज को वह हटा सकते थे.

केवल जिस सदस्य द्वारा वह मैसेज डाला गया है, वही उस मैसेज को हटा सकता था और हड़बड़ी में उसके द्वारा डिलीट फॉर मी कर देने से वह मैसेज सदैव के लिए ग्रुप में रह जाता था. अब जहां सदस्य के पास खुद मैसेज को हटाने का पावर होगा. वहीं चूक होने की स्थिति में एडमिन के पास भी यह पावर होगा कि वह किसी भी मैसेज को ग्रुप से हटा सकते हैं.

इस नए अपडेट का यूज करने के लिए केवल व्हाट्सएप यूजर को अपना व्हाट्सएप अपडेट करना होगा, जिसके साथ ही उसके पास यह पावर आ जाएगा कि यदि वह एडमिन है, तो किसी भी सदस्य का मैसेज वह डिलीट फॉर एवरीवन कर सकता है. इस फिचर के आ जाने के बाद किसी भी ग्रुप में कोई आपत्तीजनक पोस्ट नहीं रह जाएगा.

मुख्यमंत्री ने खटीमा में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी

मो० सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शहीद राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों को सम्मानित भी किया।

खटीमा में उत्तराखण्ड आन्दोलन के दौरान शहीद आन्दोलनकारियों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदों के परिजनों को सम्मानित कर वे स्वयं को गौरान्वित महसूस कर रहे हैं। शहीदों ने इस राज्य हेतु मां की ममता, बहन की राखी परिवार का सुख-दुख छोड़ हंसते-हंसते प्राणों को न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा शहीदों का स्मरण करना हम सभी के लिए अत्यधिक गर्व के क्षण होते हैं, आने वाले पीढ़ी हमारे शहीदों के संघर्ष को ना भूले इसके लिए शहीदों से जुड़े कार्यक्रम हर वर्ष मनाएं जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप समृद्ध और प्रगतिशील उत्तराखंड बनाने के लिए संकल्पबद्ध है एवं शहीदों के सपनों को आगे बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके तहत 60 हजार से ज्यादा कार्यक्रम हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी पर तेज गति के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ विकल्प रहित संकल्प के साथ कार्य कर रही है। सरलीकरण, समाधान एवं निस्तारीकरण हमारी सरकार का मूल मंत्र है। भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिये 1064 शुरू की गई है। सचिवालय में सोमवार को नो मीटिंग डे रखा गया है ताकि शासन के अधिकारी लोगों से मिलने के लिये उपलब्ध रहें। जिला स्तरीय अधिकारियों को भी निर्देश दिये गये हैं कि वे सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अपने कार्यालयों में आम जनता से मिलने के लिये उपलब्ध रहेंगे, अधिकारी व कर्मचारी समय पर कार्यालय आएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जो घोषणा करेगी उस घोषणा का लोकार्पण भी करेगी। उन्होंने कहा खटीमा में सीएसडी कैंटीन, रोडवेज बस स्टेशन का निर्माण कार्य (गतिमान), खटीमा की सड़कों में डामरीकरण, खटीमा बाईपास का निर्माण, शारदा घाट, स्नान घाट, क्रोकोडाइल पार्क जैसे तमाम कार्य किए गए हैं, एवं कई अन्य योजनाएं गतिमान है।

केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने शहीदो को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शासन-प्रशासन, मंत्रिमंडल एवं संगठन जनता सभी शहीदों के परिवारों के साथ खड़ी है। शहीदों के परिवारों का दुख हम सभी का दुख है। उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए सभी को एकजुट होकर चहुमुखी विकास के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। राज्य आंदोलनकारी शहीदों के बल पर ही राज्य का गठन हो पाया है। जिन शहीदों के बल पर राज्य का निर्माण हुआ है उन शहीदों को कभी नहीं भुलाया जा सकता है।

इस दौरान अध्यक्ष वन विकास निगम कैलाश गहतोड़ी, विधायक शिव अरोड़ा, राज्य आंदोलनकारी काशी सिंह ऐरी, दान सिंह रावत, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, जिलाधिकारी युगल किशोर पंत, एसएसपी मंजूनाथ टीसी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

हेल्थ आईडी के लिये आयोजित होंगे सेमिनार : डॉ0 धन सिंह रावत

स्वास्थ्य मंत्री ने मिशन स्टेरिंग ग्रुप की बैठक में रखा प्रस्ताव

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ करने, केन्द्रीय वित्त पोषित स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आम जन को उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राज्य में डिजिटल हेल्थकेयर इकोसिस्टम को मजबूत किया जा रहा है। जिसके तहत राज्य में अब तक 26 लाख से अधिक लोगों की डिजिटल हेल्थ आईडी बनाई जा चुकी है। राज्य में एकीकृत डिजिटल हेल्थ सिस्टम विकसित करने के लिये ग्रास रूट पर काम किया जा रहा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में दिल्ली में मिशन स्टेरिंग ग्रुप (एमएसजी) की पहली बैठक में सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने उपरोक्त तथ्य रखे। डॉ0 रावत ने बताया कि मिशन स्टेरिंग ग्रुप में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया को फोकस में रखते हुये जन-धन खातों की तर्ज पर एबीडीएम के तहत देशभर में प्रत्येक व्यक्ति का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) बनाये जा रहे हैं। ताकि प्रत्येक व्यक्ति की मेडिकल हिस्ट्री को संरक्षित रखा जा सके और भविष्य में जरूरत पड़ने पर या फिर बीमार होने पर चिकित्सक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मेडिकल हिस्ट्री देखकर संबंधित व्यक्ति का सही उपचार कर सके।

डॉ0 रावत ने बताया कि उत्तराखंड में अब तक 26 लाख से अधिक लोगों ने अपनी डिजिटल हेल्थ आईडी बना ली है, जिसमें 1032 हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स (एचपीआर) एवं 168 हेल्थ फैसिलिटी पंजीकरण (एचएफआर) भी शामिल है। एमएसजी बैठक में डॉ0 रावत ने प्रत्येक जनपद में सेमीनार आयोजित कर निःशुल्क डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया सहित अन्य सदस्यों ने भी सहमति जताई। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक लोगों की डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने के लिये अब जनपद स्तर पर सेमीनार आयोजित कर आम लोगों को डिजिटल हेल्थ आई बनाने के लिये प्रेरित किया जायेगा।

आशाओं एवं अन्य हेल्थ वर्करों के सहयोग से शत-प्रतिशत लोगों की डिजीटल हेल्थ आईडी बनाई जायेगी। इससे पहले आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उत्तराखंड, हिमाचल एवं हरियाणा राज्य की प्रगति को लेकर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें आयुष्मान योजना का लाभ पहुंचाने एवं सभी लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाने को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमार्श किया गया। उन्होंने बताया कि सूबे में अब तक करीब 50 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं तथा योजना के अंतर्गत 5.50 लाख से अधिक लोगों का उपचार भी किया जा चुका है। जिस पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने उत्तराखंड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे बेहत्तर कार्यों के लिये डॉ0 धन सिंह रावत की जमकर सराहना की।

बूस्टर डोज़ से लापरवाही पड़ रही भारी बढ़ी कोरोना मरीज़ों की संख्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। आपकी लापरवाही भारी पड़ सकती है क्योंकि जो बात नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन ने कही है वो चिंता बढ़ाने वाली है।

आपने कोरोना की बूस्टर डोज नहीं ली है तो लापरवाही न करें और डोज़ लगवाएं क्योंकि पिछले 8 महीने में देशभर के अस्पतालों में जितने लोग कोरोना की वजह से एडमिट हुए हैं, उनमें 90% ने बूस्टर डोज ली ही नहीं थी।नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (NTAGI) के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने बुधवार को मीडिया से जानकारी साझा करे हुए बताया कि यही वजह है कि पिछले दो दिनों में कोरोना मरीजों की संख्या अचानक से 33% के करीब बढ़ गई। सोमवार को जहां देशभर में 5,439 नए मरीज मिले, वहीं मंगलवार को यह आंकड़ा 7,231 पहुंच गया। इसलिए बूस्टर डोज लेना बेहद जरूरी है।अरोड़ा ने बताया कि वैक्सीन की एक खुराक लेने के 6 से 8 महीने बाद ही शरीर में एंटीबॉडीज घटने लगती हैं। इससे हमारा इम्यून सिस्टम वायरस के सामने कमजोर

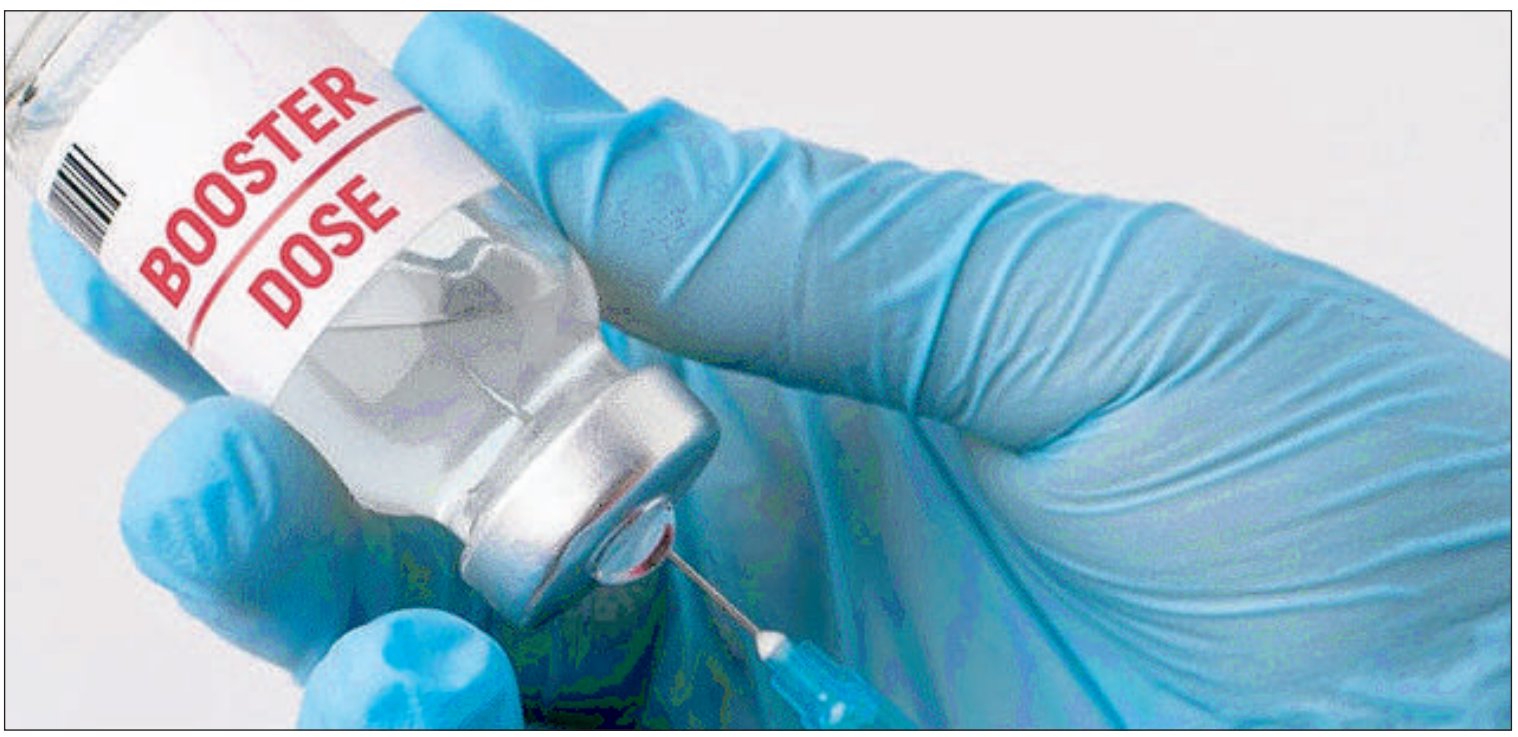

पड़ सकता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक एलिजिबल लोगों में से सिर्फ 20% ने ही वैक्सीन की तीसरी डोज ली है। अरोड़ा का कहना है कि कोरोना अब भी हमारे आसपास ही है। वायरस का ट्रांसमिशन भी वैसा ही देखने को मिल रहा है। हालांकि, अब हम इसका गंभीर रूप नहीं देख रहे हैं और मृत्यु दर पहले से काफी कम हो गई है। फिर भी हमें कोरोना प्रोटोकॉल फॉलो करने में ढील नहीं देनी चाहिए। सतर्कता बरतना अब भी जरूरी है।

डेंगू से रोकथाम हेतु नगर आयुक्त ने दिए सख्त दिशा निर्देश

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। डेंगू बुखार से रोकथाम हेतु नगर आयुक्त ने एक बैठक का आयोजन किया उन्होंने इसमें निर्देश दिए कि देहरादून नगर क्षेत्र में ऐसे सभी इलाकों को चिन्हित किया जाए जहां पर डेंगू का लारवा होने की संभावना है और ऐसी जगह पर जहां पर लारवा पाया जाता है उसके आसपास के क्षेत्रों में फॉगिंग तथा ब्लीचिंग पाउडर का प्रयोग करके डेंगू का लारवा नष्ट किया जाए इसके साथ साथ वार्डों में जनप्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण किया जाए तथा प्रचार प्रसार कर आम जनमानस को भी डेंगू के बचाव एव रोकथाम हेतु संवेदनशील किया जाए।

ऐसे क्षेत्र जहां पर डेंगू के मरीज पाए जाते हैं 10 सफाई निरीक्षकों की टीम बनाकर उसके आसपास के क्षेत्रों में सघन अभियान चलाकर रोकथाम के उपाय किए जाय। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई एवं चालान काटे जाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी को भी निर्देशित किया गया कि वह समय पर डेंगू मरीजों की सूची निगम को उपलब्ध कराएंगे।

नगर आयुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि यह कार्यवाही निरंतर तौर पर जारी रहेगी जब तक की डेंगू मलेरिया का कोई भी मरीज सामने आता है।बैठक में एस० एन० ए० एस०पी० जोशी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना , जिला मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी, निगम के सभी सफाई निरीक्षक मौजूद थे.

14वीं गढ़वाल राइफल के स्थापना दिवस समारोह, मंत्री जोशी ने बढ़ाया हौसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी गुरुवार को देहरादून के जोगीवाला में आयोजित पूर्व सैनिक संगठन 14वीं गढ़वाल राइफल का 41 वां स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने वीर नारियों एवं पूर्व सैनिकों जिन्होंने सेना में मेडल प्राप्त किए हैं उन्हें भी सम्मानित किया। इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सैनिकों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है।

मंत्री जोशी ने कहा कि सैनिकों के सम्मान के लिए उत्तराखंड में सैंयधाम का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री जोशी ने कहा कि यह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना है उन्होंने सैन्य धाम बनाने की घोषणा की थी। यह वीरों की भूमि है देश की सेना का 17.5 की पूर्ति उत्तराखंड जैसा छोटा राज्य करता है यहां पर सैन्य धाम बनना चाहिए। मैं पूरी शिद्दत से तन मन धन के साथ इस काम में लगा हुआ हूं।क्योंकि जो हम सैन्य धाम का मुख्य द्वार बना रहे हैं शहीद सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से बना रहे है। भारत की सेना में दो सैनिकों की पूजा होती है बाबा हरभजन सिंह बाबा जसवंत सिंह का प्रांगण में मंदिर बनाया जायेगा। मंत्री जोशी ने कहा कि सैन्यधाम का निर्माण किया जा रहा है जो अपने-आप में अलग रूप में बनेगा। उन्होंने कहा कि यह देश की सेना के शौर्य और गौरवशाली इतिहास को संजोने वाला स्थान होगा।

इस अवसर पर कर्नल विनोद राणा, तुलसीराम पनौली (धर्मगुरु) कैप्टन गुलाब सिंह बिष्ट, कैप्टन सुरेंद्र सिंह नेगी, कैप्टन केदार सिंह रावत, सूबेदार मेजर अवतार सिंह, कैप्टन उमा दत्त जोशी, कैप्टन नरेंद्र सिंह नेगी, कैप्टन धनीराम, कैप्टन जगदीश सिंह नेगी, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

चुनाव के लिये जोनल तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती तुरन्त की जाये : विनय शंकर पांडे, डीएम हरिद्वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 2 सितम्बर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी विनय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में समस्त नोडल अधिकारियों एवं समस्त प्रभारी अधिकारियों की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने जिलाधिकारी के सम्मुख त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिये, कौन-कौन सी व्यवस्थायें सम्पन्न करायी जानी हैं, के सम्बन्ध में एक-एक करके विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये कितने कार्मिकों की आवश्यकता पड़ेगी, के सम्बन्ध में चर्चा हुई। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव को हमें एक चरण में सम्पन्न कराना है, उसी अनुसार योजनाबद्ध ढंग से कार्मिकों की व्यवस्था करनी होगी। कार्मिकों को प्रशिक्षण दिये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि चाहे मतपत्रों की गिनती का प्रशिक्षण हो या अन्य, के सम्बन्ध में एक चार्ट तैयार करते हुये, उसी अनुसार प्रशिक्षण दिया जाये। उन्होंने कहा कि चुनाव सम्बन्धी व्यवस्थाओं की देखरेख के लिये जोनल तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती तुरन्त की जाये, जो मतदेय स्थलों आदि में बिजली, पानी, रैम्प आदि के सम्बन्ध में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। लेखन सामग्री के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी लेखन सामग्री उपलब्ध कराई जाये, उसकी एक चेक लिस्ट तैयार कर ली जाये तथा उसी अनुसार लेखन सामग्री उपलब्ध करायें।

बैठक में जिलाधिकारी ने मत पत्रों की छपाई, पोलिंग बूथ का निर्माण, यातायात वाहन तथा उनमें ईंधन की व्यवस्था, खान-पान एवं जलपान की व्यवस्था, मतदाता सूची, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग, कण्ट्रोल रूम की स्थापना, मतदान केन्द्रों की मॉनिटरिंग, आदर्श आचार संहिता की जानकारी देना, मतपेटियों को निधारित स्थानों पर पहुंचाना, टेंट, वैरिकेटिंग तथा प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, स्ट्रांग रूम का निर्माण, संचार व्यवस्था, आबकारी की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करना, यातायात की व्यवस्था, सड़कों का रखरखाव, आपदा प्रबन्धन, चिकित्सा सम्बन्धी व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श किया तथा सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) वीर सिंह बुदियाल, अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) पी0एल0 शाह, सिटी मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह, एसडीएम पूरन सिंह राणा, एसडीएम लक्सर गोपाल राम बिनवाल, एसडीएम भगवानपुर वैभव गुप्ता, उप जिलाधिकारी नूपुर वर्मा, मुख्य कोषाधिकारी सुश्री नीतू भण्डारी, जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी के0के0 गुप्ता, सहायक परियोजना निदेशक नलनीत घिल्डियाल, उद्योग महाप्रबन्धक पल्लवी गुप्ता, ए.आर. कोआपरेटिव राजेश चौहान, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचस्थानी) आर0आर0 थपलियाल,रेडक्रास सचिव नरेश चौधरी, एआरटीओ रश्मि पन्त, जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण सुरेश तोमर, आईओ एनआइसी यशपाल, अपर जिला सांख्यिकीय अधिकारी सुभाष शाक्य, अभिषेक सिंह चौहान सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने पुत्रवधु आराध्या के साथ चालदा महासू को चढ़ाई चोल्टी

बेहतरीन कारीगरी का नमूना है सूरत के सुरेश द्वारा बनाई गई चोल्टी : महाराज

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। जौनसार-बावर के हनोल स्थित श्री महासू देवता मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूजा-अर्चना के साथ दो दिवसीय परंपरागत रजागड़ार (हरियाली पर्व) महोत्सव में प्रतिभाग करने के साथ-साथ प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने समाल्टा स्थित छत्रधारी चालदा महासू महाराज के दर्शन करने के साथ-साथ उन्हें चोल्टी (चादर) चढाकर पूजा अर्चना की। जागड़ा को राजकीय मेले का दर्जा दिलाने वाले प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने अपनी पुत्रवधु आराध्या के साथ समाल्टा पहुँच कर छत्रधारी चालदा महासू महाराज के दर्शन करने के साथ-साथ उन्हें चोल्टी (चादर) चढाकर पूजा अर्चना की। सतपाल महाराज ने बताया कि पूर्व में जब वह अपनी पत्नी अमृता रावत के साथ चालदा महासू के दर्शन को आये थे तो उन्हें चालदा महासू महाराज का आदेश हुआ कि वह उनको अपनी ओर से चोल्टी (चादर) चढ़ायें।

छत्रधारी महाराज के आदेश का पालन करते हुए हुए उन्होने अपनी पुत्रवधु आराध्या के साथ समाल्टा पहुँच कर सूरत के सुरेश द्वारा बेहतरीन कारीगरी से बनाई गई चोल्टी (चादर) चालदा महासू देवता को चढ़ाई।

चोल्टी को धारण कर चालदा महासू महाराज की अद्भुत छवि की झलक पाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु भी वहाँ उपस्थित रहे। मंत्री महाराज ने बताया कि छत्रधारी चालदा महासू महाराज अपने सिंहासन से बाहर आकर दशहरे तक इसी चोल्टी (चादर) के साथ श्रृद्धालुओं को दर्शन देगें। मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु इस दौरान उनके अद्भुत दर्शन करता है चालदा महासू महाराज उनकी मनोकामना निश्चित रूप से पूर्ण करते हैं। जौनसार-बावर के हनोल स्थित श्री महासू देवता जागड़ा (हरियाली पर्व) को राजकीय मेले का दर्जा मिलने पर क्षेत्र के लोगों में अपार उत्साह और प्रसन्नता है।

एमडीडीए में पंजीकृत आर्किटेक्ट की बैठक बुलाकर कार्यों में तेजी लाए : सोनिका, उपाध्यक्ष, एमडीडीए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 1 सितंबर। जिलाधिकारी सोनिका ने उपाध्यक्ष एमडीडीए का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान उन्होंने एमडीडीए कार्यालय में विभिन्न पटलों का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष एमडीडीए ने उत्तराखण्ड हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट अथोरिटी एवं एमडीडीए के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए इन्टिग्रेटेड सिस्टम एवं डाटा शेयर के संबंध में चर्चा की।जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष एमडीडीए सोनिका ने एमडीडीए के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को असुविधा न हो इस प्रकार की कार्य प्रणाली विकसित की जाए।

उन्होंने एमडीडीए के ऑनलाइन डेसबोर्ड का भी अवलोकन करते हुए सिंगल विंडो सिस्टम की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि एमडीडीए में भवन हेतु आवेदकों/स्वामियों द्वारा आवेदित नक्शे के आवेदन किस स्तर/कारण से लंबित है की भी जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि अधिकतम प्रकरणों में आर्किटेक्ट के स्तर पर

भी नक्शे लंबित रहते है। तथा वह नक्शे एमडीडीए में ही लंबित दिखाए जाते है। उपाध्यक्ष एमडीडीए ने एमडीडीए में पंजीकृत आर्किटेक्ट की बैठक बुलाकर कार्यों में तेजी लाए जाने हेतु उनका भी समय सीमा तय करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष एमडीडीए ने निर्देश दिए कि 500 वर्गमीटर तक के भूखण्ड हेतु मॉडल नक्शे बनाए जाए ताकि आवेदकों को ऑनलाइन माध्यम से एमडीडीए द्वारा स्वीकृत नक्शे के आधार पर नक्शा पास कराने में समय न लगे।

उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी के नक्शे के संबंध में कोई अभिलेखीय कमी है तो उसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से संबंधित स्वामी एवं आर्किटेक्ट को भी मिले ताकि वह अपनी अभिलेखीय कमी समय से दूर कर सकें। तथा लोगों को अनावश्यक न भटकना पड़े।

बैठक में सचिव एमडीडीए मोहन सिंह बर्निया, उत्तराखण्ड हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट अथोरिटी से पीसी दुमका, वरिष्ठ वित्त अधिकारी एमडीडीए स्मृति खण्डूरी, अधि0 अभि0 गुप्ता सहित एमडीडीए के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

आत्महत्याएं रोकी जायें

वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वालों में सबसे अधिक संख्या दिहाड़ी कामगारों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों, बेरोजगारों और खेती-किसानी से जुड़े लोगों की रही. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 1.64 लाख से अधिक लोगों ने खुदकुशी की थी, जिनमें से लगभग 1.05 लाख लोगों की सालाना आमदनी एक लाख रुपये से कम तथा 51.8 हजार लोगों की यह आय एक से पांच लाख रुपये के बीच थी. खुदकुशी करने वालों में 45 हजार से अधिक महिलाएं थीं. ये आंकड़े इंगित करते हैं कि महानगरों से लेकर गांव-कस्बे तक गरीबी और लाचारी का भयानक साया पसरा है. इनसे यह भी पता चलता है कि महामारी ने अर्थव्यवस्था पर ग्रहण लगा दिया है, जिससे उबरने में समय लगेगा. आकलनों की मानें, तो 2021 में 15 से 20 करोड़ अतिरिक्त लोग गरीबी की जद में आये थे. आम तौर पर माना जाता रहा है कि बड़े शहरों में गुजारा करने के लिए कुछ न कुछ काम मिल ही जाता है. लेकिन 2021 में बेरोजगारी के कारण हुई 40 फीसदी से ज्यादा आत्महत्याएं अकेले दिल्ली और मुंबई में दर्ज की गयी हैं. इसके बाद अन्य महानगरों का स्थान है. देश के 53 बड़े शहरों में 2018 से 2021 के बीच आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं. भारत उन कुछ देशों की श्रेणी में है, जहां सबसे अधिक खुदकुशी होती है, जिसके अनेक कारण हो सकते हैं. लेकिन ताजा सूचनाएं यह बताती हैं कि हमें अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे. आर्थिक तंगी अवसाद और आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण है. यह अपराध बढ़ने का भी सबसे बड़ी वजह है. यह संयोग नहीं है कि शहरों में आपराधिक घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो रही है. विभिन्न नीतिगत पहलों और कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार महामारी से उत्पन्न संकट से नागरिकों, विशेष रूप से वंचित वर्ग, को राहत व मदद मुहैया करा रही है. इसके सकारात्मक प्रभाव भी देखे जा सकते हैं. लेकिन केवल इन कोशिशों से पूरा समाधान नहीं हो सकता है. निश्चित रूप से हमें अर्थव्यवस्था को बढ़ाना होगा और यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यह वृद्धि रोजगारपरक हो. महंगाई पर लगाम लगाने के ठोस उपायों की दरकार है ताकि गरीबों की बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें. मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार कर तमाम परेशानियों से लाचार अवसादग्रस्त व्यक्ति को भी अपनी जान देने से रोका जा सकता है. पिछले कुछ समय से मानसिक स्वास्थ्य को अहमियत मिल रही है, लेकिन संसाधनों और सुविधाओं का बड़ा अभाव है. कामकाज की जगहों पर जागरूकता तथा संवेदनशीलता के लिए समुचित उपाय होने चाहिए.

कुपोषित बच्चों हेतु सरकारी अध्यापक निभाएगे 'पोषण दूत' की भूमिका : सीडीओ

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। पोषण माह के तहत मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान की अध्यक्षता में अंतर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने जनपद के चिन्हित कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों को स्वेच्छा से स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के साथ समन्वय कर, पोषण दूतों के माध्यम से आगामी 6 माह में सामान्य श्रेणी में लाने हेतु, तीनों विभागों को निदेर्शित किया गया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को स्वेच्छा से ''पोषण दूत'' बनकर, इस नवीन पहल से जुड़कर एक बच्चे को कुपोषण मुक्त करने के इस अभियान से जुड़ने के लिए आवाहन किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने अभियान से जुड़ने वाले प्रत्येक कार्मिक को किसी भी दबाव न आने को कहा, बल्कि अपनी स्वेच्छा से अभियान में जुड़ने की अपील की गई है। ताकि आप सभी के सहभागिता से हम एक-एक बच्चे को कुपोषण मुक्त कर सकते है।

कहा कि इस अभियान के तहत अतिकुपोषित बच्चों को बाल रोग विशेषज्ञ व डाक्टर एवं कुपोषित बच्चों को प्राइमरी स्कूल के अध्यापकों द्वारा सामान्य श्रेणी में लाने हेतु प्रयास किये जाएगें। जिसकी समय-समय पर मानीटरिंग बाल विकास विभाग द्वारा की जायेगी। उन्होंने कहा कि कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने वाले पोषण दूतों को ब्लाक, जिले एवं राज्य स्तर पर सम्मानित किया जायेगा।

बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हित कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों की सूची शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई है। साथ ही पोषण माह में बाल विकास विभाग को प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिसके लिए विभाग द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में उप चिकित्साधिकारी डा0 यू0एस0 चौहान, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा0 अखिलेश कुमार मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी (माध्यमिक) राजेन्द्र रावत, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट व समस्त परियोजनाओं के बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

पौड़ी व पिथौरागढ़ की आपदा से सम्बंधित जनपदों की मंत्री चन्दन राम दास ने ली बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास ने वर्चुवली जनपद पौड़ी व पिथौरागढ़ की आपदा से सम्बंधित जनपदों की समीक्षा बैठक की। जनपद पौड़ी में सिंचाई खड़ दुगड्डा की 181 नहरे, सिंचाई खड़ श्रीनगर की 02 नहरे , जल संस्थान कोटद्वार की 70 पेयजल लाइन, जल संस्थान पौड़ी की 27 पेयजल लाइन, लोक निर्माण विभाग की 181 मोटर मार्ग व जनपद पिथौरागड़ में लघु सिंचाई की 64 नहरे, प्रधानमंत्री सड़क योजना की 10 सड़कें, 8 लोगो की मृत्यु , 2 लोगो की घायल होने की सूचना मिली।

मंत्री दास के द्वारा जी गयी जानकारी के मुताबिक अभी तक दोनो जनपदों में अधिकांश नहरों, पेयजल लाइनों, सड़को को सुचारू रूप चालू कर दिया गया है व आपदा से प्रभावित परिवारों को प्रदेश सरकार की ओर से वित्तिय सहायता भी प्रदान की जा चुकी है। समीक्षा बैठक में मंत्री चन्दन राम दास ने दोनों जनपदों के जिलाधिकारियों व विभागों के अधिकारियों को आपदा से क्षतिग्रस्त हुए मकानों, पेयजल लाइनों,सिचाई नहरों, बन्द हुई सड़को, बाधित हुई विद्युत लाइनों को तत्काल सुचारू करने व मुआवजा आदि वितरित करने के निर्देश दिए।।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने आपदा से अपने पारिवारिक जनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी सवेंदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुःख में प्रदेश सरकार उक्त परिवारों के साथ खड़ी है।

लम्पी स्किन डिसीज, भूसे की कमी और किसान क्रेडिट कार्ड पर मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दिए सख्त निर्देश

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। उत्तराखंड सरकार के पशुपालन डेरी और कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बड़ी बैठक की। इस मीटिंग का उद्देश्य राज्य में पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन डिसीज की रोकथाम था। बैठक में इस चुनौती से निपटने के संदर्भ में विस्तार से समीक्षा की गई.

प्रदेश भर के जनपदों के अधिकारीयों ने ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में बताया गया कि अभी तक राज्य में 6506 पशु लंबी रोग से ग्रस्त हैं , जिनका उपचार किया जा रहा है। जिसमें 2456 पशु अब तक पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं और 119 पशुओं की मृत्यु हुई है। विभाग द्वारा बताया गया कि पशुओं में स्वस्थ होने की दर 40% और मृत्यु दर 1.8% है। विभाग द्वारा पशुओं में रोग की रोकथाम हेतु 1.8 लाख खुराक वैक्सीन खरीद कर अलग-अलग जनपदों में टीकाकरण के लिए भेज दी गई है। अब तक 49820 पशुओं को टीकाकरण किया जा चुका है।

इस दौरान पशुपालन मंत्री ने टीकाकरण की सुस्त रफ़्तार पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा है कि टीकाकरण में और रफ्तार लाने की जरूरत है ताकि समय रहते पशुओं की जान को बचाया जा सके। लिहाजा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिरिक्त टीम का गठन कर टीकाकरण की इस कार्यवाही को और भी तेज किया जाए। रोग की रोकथाम के लिए जनपद हरिद्वार में अपर निदेशक गढ़वाल मंडल , पौड़ी एवं देहरादून में संयुक्त निदेशक रोग नियंत्रण की देखरेख में कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही कुमाऊं मंडल में रोग से बचाव हेतु उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे गांवों व नैनीताल के रामनगर क्षेत्र में भी टीकाकरण कराने के निर्देश दिए गए।

जनपद देहरादून और हरिद्वार में नियंत्रण के संबंध में दोनों जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ विभागीय मंत्री ने वार्ता की है। हरिद्वार और देहरादून में नियंत्रण हेतु तीन विभागीय उच्चाधिकारियों की समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में राज्य में भूसे की कमी के संबंध में भी चर्चा की गई जिसमें यूएलडीबी के माध्यम से चारा मिनी किट्स उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। भूसे की कमी को देखते हुए अनुदान पर भूसा भेली उपलब्ध कराने के लिए कैबिनेट नोट बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में सचिव ने बताया कि राज्य में पशुपालकों हेतु किसान कार्ड बनाए जाने के संबंध में सभी जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देश दे दिए गए परंतु अभी तक प्रगति संतोषजनक नहीं है। जिस पर विभागीय मंत्री बहुगुणा ने संबंधित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों को जनपदों के लीड बैंक मैनेजरसे सम्पर्क कर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव पशुपालन डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम , निदेशक पशुपालन डॉ प्रेम कुमार , संयुक्त निदेशक डेयरी जयदीप अरोरा मौजूद रहे।

पेपर लीक मामला : ऊधमसिंह नगर में तैनात एक सिपाही गिरफ्तार, एक घर में परीक्षा से पहले याद कराया था पेपर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,1 सितंबर। पेपर लीक मामले में उत्तराखंड पुलिस के ऊधमसिंह नगर जिले में तैनात सिपाही को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने पहले गिरफ्तार हुए कुछ साथियों के साथ अभ्यर्थियों को कुंडेश्वरी में नकल कराई थी। उसके कुछ और साथियों के बारे में एसटीएफ जानकारी जुटा रही है।

आरोपी का भाई पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। एसटीएफ ने आरोपी सिपाही को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामले में अब तक 31 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पहले गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ की गई थी। इनमें सितारगंज में तैनात एक सिपाही विनोद जोशी का नाम सामने आ रहा था। उसका एक भाई मनोज जोशी (न्यायिक कनिष्ठ सहायक) पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। बयानों के आधार पर गुरुवार को सिपाही को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने अपने भाई के कहने पर कई अभ्यर्थियों को नकल कराई थी।

इसके अलावा कुंडेश्वरी स्थित केंद्र पर अभ्यर्थियों को लेकर गया था। वहां उन्हें हल किया हुआ पेपर मुहैया कराया गया। परीक्षा से एक रात पहले उन्हें सभी को यह पेपर याद कराया गया। इसके बाद आरोपी विनोद जोशी अपनी कार से इन अभ्यर्थियों को लेकर परीक्षा केंद्रों तक गया। इसके बाद अगले दिन वाली परीक्षा में भी उसने यही रवैया अपनाया। बताया कि आरोपी के तैनाती जनपद के पुलिस कप्तान को गिरफ्तारी के बारे में जानकारी दे दी गई है।

जेई के घर से बरामद हुआ दो लाख रुपये

पुलिस कस्टडी रिमांड में लिए गए जेई ललित जोशी को एसटीएफ धामपुर ले गई और पूछताछ की। जेई के मकान को ही हाकम सिह और केंद्रपाल ने नकल का केंद्र बनाया था। एसटीएफ की टीम ने उसके मकान से दो लाख रुपये नकद बरामद करते हुए अन्य दस्तावेज भी कब्जे में लिए हैं। इस मकान पर 100 से अधिक अभ्यर्थियों को नकल कराई गई थी। पूछताछ में धामपुर के एक व्यक्ति के बारे में और पता चला है। जल्द ही आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ललित को शुक्रवार को जेल में दाखिल कराया जाएगा।

झूठी खबरें चलाने वाले फेसबुक यूजर पर रिपोर्ट

पेपर लीक मामले में झूठी और भ्रामक खबरें चलाने पर फेसबुक यूजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। यूजर का फेसबुक पर उत्तराखंड न्यूज नाम से पेज है। जिस पर उसने डीजीपी और वर्तमान में चल रही जांच के संबंध में भ्रामक जानकारियां प्रसारित कीं। साइबर थाने में फेसबुक यूजर के खिलाफ आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है। एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि वर्तमान में एसटीएफ की जांच की निगरानी खुद सीएम पुष्कर सिंह धामी और डीजीपी अशोक कुमार कर रहे हैं। अब तक 30 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। जांच चल रही, लेकिन कुछ खबरिया पोर्टल और फेसबुक यूजर भ्रामक खबरें प्रसारित कर रहे हैं। पिछले दिनों के एक घटनाक्रम को जोड़कर डीजीपी के बारे में भी इस तरह की खबरें चल रही हैं।

सोशल मीडिया इंटरवेंशन सेल ने बुधवार को उत्तराखंड न्यूज नाम के पेज की निगरानी शुरू की थी। पेज पर जो जानकारियां थीं, वह गलत और भ्रामक हैं। इनसे विभाग की छवि तो धूमिल हो ही रही थी, साथ ही जांच भी प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी। इस पेज पर यूजर का न तो नाम है और न फोन नंबर, जबकि 2021 में जारी गाइडलाइन के अनुसार किसी भी खबरिया पोर्टल और फेसबुक पेज, यूट्यूब चैनल आदि संचालित करने वाले का नाम, पता और मोबाइल नंबर जरूर होना चाहिए। इस तरह उसने आईटी एक्ट के इन प्रावधानों का भी उल्लंघन किया है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा